दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 14.09.2023

प्रकाशनार्थ

दिनांक 14.09.2023 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के शिक्षक–शिक्षा विभाग में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर हिन्दी के महत्ता को दर्शाया गया।

इस अवसर पर प्रक्षिशु संजीत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि वर्तमान में हिंदी भाषा पर पश्चिमीकरण का प्रभाव बढ़ता जा रहा है और हिंदी भाषा में अंग्रेजी का प्रभुत्व बढ़ रहा है। प्रक्षिशु दीपक कुमार ने कहा कि हिंदी भाषा का स्थान मां के समान है जिसका स्थान कोई नहीं ले सकता, वही हमारी पहचान है। इसी क्रम में विवेक कुमार गोंड ने संस्कृत भाषा से हिंदी के विकास के क्रम को बताया और प्रशिक्षु धर्मवीर ने हिंदी को राजभाषा बनाने में काका कालेलकर और सेठ गोविंददास के योगदान पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षु रोहित पाण्डेय ने बताया कि हिंदी को अगर राष्ट्र भाषा बनाना है तो सोचना पर्याप्त नहीं है इसके लिए कुछ प्रयत्न करना पड़ेगा। प्रशिक्षु शुभम पाठक ने कहा कि कैसे भारत में विविधताओं के बावजूद हिंदी भाषा भारतवासियों को एकता के सूत्र में बांधती है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए विवेक द्विवेदी ने हिंदी के प्राचीन इतिहास के बारे में बताया। प्रक्षिशु मुकेश ने बताया कि हिंदी दिवस पर लोगो को उत्साहित करने के लिए राष्ट्रभाषा गौरव पुरस्कार और राष्ट्रभाषा कीर्ति पुरस्कार लोगों को दिया जाता है। प्रशिक्षु अभिषेक ने कहा कि हिंदी हमारे गर्व की भाषा है। प्रशिक्षु कुशलपाल ने राष्ट्रभाषा प्रचार समिति और वर्धा समिति का हिंदी को राज्यभाषा बनाने में महत्वपूर्ण योगदान पर अपना विचार रखा। प्रशिक्षु नरेंद्र ने कहा कि हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ने वाले साहित्यकार व्यौहार राजेंद्र सिंह का 50 वां जन्म दिवस 14 सितम्बर 1949 को था, जिस दिन हिंदी को राष्ट्रभाषा स्वीकार किया किया गया।

कार्यक्रम का संचालन बी.एड. द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु शैलेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. अरुण कुमार तिवारी, प्रो. शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ. सुभाष चन्द्र, श्रीमती शालिनी पारिक, श्रीमती सुषमा राय एवं समस्त प्रशिक्षुगण उपस्थित रहे।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क